कला

ART
UP. TGT & PGT

संपादित एवं संकलित द्वारा

प्रेरणा थानी

कलाकार

खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत
के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट
7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड़ दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838, : 011-23240261
इमेल: info@sportspublication.net
वेबसाइट: www.sportspublication.net

SPORTS PUBLICATION
Publisher & Distributor

Published by:
खेल और शारीरिक शिक्षा की पुस्तकों के भारत
के प्रथम प्रकाशक और एशिया के सबसे बड़े स्टॉकिस्ट
7/26, ग्राउण्ड फ्लोर, अंसारी रोड़ दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
दूरभाष : +91-9999146721, 9868028838
इमेल: info@sportspublication.net
वेबसाइट: www.sportspublication.net

© 2022 प्रकाशक

ISBN : 978-93-93781-18-5

भारत में प्रकाशित 2022

इस पुस्तक के किसी भी अंश का पुनरूत्पादन या किसी प्रणाली के सहारे पुनप्राप्ति के प्रयास अथवा किसी भी तकनीकी तरीके: इलैक्ट्रॉनिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या वैब माध्यम से प्रकाशक की अनुमति के बिना वितरित नहीं किया जा सकता है। प्रकाशक तथा लेखक ने अपने प्रयास से इस पुस्तक के तथ्यों तथा विवरणों को उचित स्त्रोतों से प्राप्त किया है। पुस्तक में प्रकाशित किसी भी सूचना की सत्यता के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए प्रकाशक, सम्पादक, लेखक या मुद्रक जिम्मेदार नहीं है। सभी विवादों और दावों का निपटारा केवल 1940 के भारतीय मध्यस्थता अधिनियम के अन्तर्गत दिल्ली न्यायालय में किया जाएगा।

मुद्रक:
ओम साई प्रिंटर्स एण्ड बाइंड्र्स
दिल्ली

मूल्य: ₹ 180/-

पाठ्यक्रम
प्रशिक्षित स्नातक
विषय : कला–2022

विश्व की प्रागैतिहासिक चित्रकला के प्रमुख केन्द्र जैसे–अल्टीमीराम (स्मेन), लासकाम्स (कागुल), भोपालन क्षेत्र (भीम बेडका), मिर्जापुर (उत्तरप्रदेश) होशगाबाद (मध्य प्रदेश) भित्ति चित्रण की परम्पराएँ–फ्रेस्को सैको, अजन्ता फ्रेस्को, जयपुर फ्रेस्कों, गोर्धिक चित्रकला का इतिहास, भारतीय लघु चित्रकारी और इसकी प्रमुख उपशैलियाँ जैसे कोटा बूंदी, मेवाड़ अलवर किशनगढ़। मुगल–अकबर, जहांगीर, शाहजहाँ पहाड़–कांगड़ा, बसौली आद, कम्पनी स्कूल (पटना कलम), बाइजेनटाइन चित्रकला एवं स्टेनग्लास, पुनरुत्थान एवं चरम पुनरुत्थान कालीन यूरोपीय चित्रकला, नवशास्त्रीय कला एवं स्वछंदवादी चित्रकला, प्रभाववाद, उत्तर प्रभाववाद, धनवाद, अभिव्यंजनावाद, अतियथार्थवाद एवं उनके प्रसिद्ध कला एवं चित्रकार, समाकालीन चित्रकला (धाराएँ एवं प्रसिद्ध चित्रकार), पूर्व पश्चिम की सौन्दर्य शास्त्र की तुलनात्मक व्याख्या, रस और सौन्दर्य बोध का कला में स्थान।

विषय सूची

1.	विश्व एवं भारतीय प्रागैतिहासिक चित्रकला के प्रमुख केन्द्र	1–29
2.	भित्ति चित्रण की परंपराएं	30–38
3.	गोथिक चित्रकला का इतिहास	38–60
4.	भारतीय लघु परंपरा (जैन एवं पाल)	61–68
5.	भारतीय लघु चित्रकारी और इसकी प्रमुख उपशैलियां	68–83
6.	मुगल चित्रकला (अकबर, जहांगीर एवं शाहजहां)	83–102
7.	पहाड़ी चित्रकला	102–112
8.	बंगाल चित्र शैली और चित्रकार	113–134
9.	आधुनिक चित्रकला एवं चित्रकार	135–153
10.	बाइजेन्टाइन चित्रकला एवं स्टेनग्लास	153–156
11.	पुनरूत्थान एवं चरम पुनरूत्थान कालीन यूरोपीय चित्रकला	156–174
12.	नवशास्त्रीय कला एवं स्वच्छंदवादी चित्रकला	174–177
13.	प्रभाववाद, नवप्रभाववाद एवं उत्तर प्रभाववाद	178–191
14.	घनवाद	191–198
15.	अभिव्यंजनावाद	199–205
16.	यथार्थवाद एवं अतियथार्थवाद	205–212
17.	भविष्यवाद एवं जंगलवाद	213–215
	हल सहित प्रश्नपत्र–2021	216–230